

GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0376**

Classification:

Original File No.

Title

Letter Correspondence

Volume:

Running from year: 1933 till year: 1935

Content:

- Letter Correspondence of diffinets and pastors and Lay members(in authority) with the officers of the Church Council, G.E.L. Church Ranchi.
- Letter from N.C.C.I & F.E.L.C.I. (Federation of Ev. Lutheran Church in India).
- Cercular Letter of the diffinets and Sub-Ordinate Officers from the Central Leadership.
- Minutes of the meeting of Conven of the Protestant Churches in Ranchi.

58

P. Hurad

Kassco

1933 - 35

FOLDER - FILE

Thick Quality

File No.

Name

Subject

Serial Nos. To

From (Month) To

Year 19

Church Council

Received 29.10.34

Register No 389

Date 25.10.34

File 52

Reply 29.10.34

Date

Bujin
25 X 34.

To The Secy, C. E. I. Church Council
Ranchi.

प्रतिमान, मैंने को प्रेषित है।
मैंने विधान को Tapkara में Christochit
धुनिकी Bujin जाने के बाद में यह मैंने
न मजूर को रक्षा को बाद सुना है। को
यह मैंने बताया कि 3 (तीन) 3 (तीन) के C.E. में
भी (न जाने के बाद) मैंने 4 (चार) दिया,
समय आप लोगों को मिल गया होगा।
इस समय वहाँ को न जाने के समय की
आने के बाद उक्तान होगी और कि
आम लक्ष्मीन, को पर जलान हयल
का समय आ गया है। कृपया मैंने
आप लोगों (C.E.) किसी जगह को तो वहाँ
के लिये उपर 6 (छह) दीजिये।

आपका आज्ञाकारी
M. Puri.

Thurth Council

Received 3.10.34

Register To 260

Date... 3.10.34

File.. 11 111214

Reply No...

Date...

अहमदाबाद काँग्रेस मंत्रालय .

3/10/34

President, Secy, Treasurer C.C.
Ranchi.

आप को प्रियुष्ट है -
आप को लिखे जाने के समय 9 वीं नो. को (लिखे)
आप को एक प्रमाण पत्र पत्रिका प्रमाण पत्रिका
हस्ताक्षर और (उपरी लिखे) मिले - लिखे 9 वीं नो. को
आप को लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
उपरी लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए

अहमदाबाद काँग्रेस मंत्रालय (9) वीं नो. को प्रमाण पत्रिका
को प्रमाण पत्रिका लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए
लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए लिखे जाने के लिए

(Bunj)

Ranchi.

3-10-34

आप को प्रमाण पत्रिका
M. Puri.
State chairman.

Date... } 28.9.34

॥ महा-महाशय

61-524-000-481-

नृपराज - १५५

पक्षी-पुष्प-रत्न-वि

... 2000 ...

2. 4 - 31 30 11 31

...

3. 10 - 11. 1941 -

५५६ मेरा गाँव

۱۰۰ - ۱۰۱

... १५५५ ...

प्रति नृणां - नृणां तन

1917 - 1918 - 1919 - 1920 - 1921 - 1922 - 1923 - 1924 - 1925 - 1926 - 1927 - 1928 - 1929 - 1930 - 1931 - 1932 - 1933 - 1934 - 1935 - 1936 - 1937 - 1938 - 1939 - 1940 - 1941 - 1942 - 1943 - 1944 - 1945 - 1946 - 1947 - 1948 - 1949 - 1950 - 1951 - 1952 - 1953 - 1954 - 1955 - 1956 - 1957 - 1958 - 1959 - 1960 - 1961 - 1962 - 1963 - 1964 - 1965 - 1966 - 1967 - 1968 - 1969 - 1970 - 1971 - 1972 - 1973 - 1974 - 1975 - 1976 - 1977 - 1978 - 1979 - 1980 - 1981 - 1982 - 1983 - 1984 - 1985 - 1986 - 1987 - 1988 - 1989 - 1990 - 1991 - 1992 - 1993 - 1994 - 1995 - 1996 - 1997 - 1998 - 1999 - 2000 - 2001 - 2002 - 2003 - 2004 - 2005 - 2006 - 2007 - 2008 - 2009 - 2010 - 2011 - 2012 - 2013 - 2014 - 2015 - 2016 - 2017 - 2018 - 2019 - 2020 - 2021 - 2022 - 2023 - 2024 - 2025 - 2026 - 2027 - 2028 - 2029 - 2030 - 2031 - 2032 - 2033 - 2034 - 2035 - 2036 - 2037 - 2038 - 2039 - 2040 - 2041 - 2042 - 2043 - 2044 - 2045 - 2046 - 2047 - 2048 - 2049 - 2050 - 2051 - 2052 - 2053 - 2054 - 2055 - 2056 - 2057 - 2058 - 2059 - 2060 - 2061 - 2062 - 2063 - 2064 - 2065 - 2066 - 2067 - 2068 - 2069 - 2070 - 2071 - 2072 - 2073 - 2074 - 2075 - 2076 - 2077 - 2078 - 2079 - 2080 - 2081 - 2082 - 2083 - 2084 - 2085 - 2086 - 2087 - 2088 - 2089 - 2090 - 2091 - 2092 - 2093 - 2094 - 2095 - 2096 - 2097 - 2098 - 2099 - 2100 - 2101 - 2102 - 2103 - 2104 - 2105 - 2106 - 2107 - 2108 - 2109 - 2110 - 2111 - 2112 - 2113 - 2114 - 2115 - 2116 - 2117 - 2118 - 2119 - 2120 - 2121 - 2122 - 2123 - 2124 - 2125 - 2126 - 2127 - 2128 - 2129 - 2130 - 2131 - 2132 - 2133 - 2134 - 2135 - 2136 - 2137 - 2138 - 2139 - 2140 - 2141 - 2142 - 2143 - 2144 - 2145 - 2146 - 2147 - 2148 - 2149 - 2150 - 2151 - 2152 - 2153 - 2154 - 2155 - 2156 - 2157 - 2158 - 2159 - 2160 - 2161 - 2162 - 2163 - 2164 - 2165 - 2166 - 2167 - 2168 - 2169 - 2170 - 2171 - 2172 - 2173 - 2174 - 2175 - 2176 - 2177 - 2178 - 2179 - 2180 - 2181 - 2182 - 2183 - 2184 - 2185 - 2186 - 2187 - 2188 - 2189 - 2190 - 2191 - 2192 - 2193 - 2194 - 2195 - 2196 - 2197 - 2198 - 2199 - 2200 - 2201 - 2202 - 2203 - 2204 - 2205 - 2206 - 2207 - 2208 - 2209 - 2210 - 2211 - 2212 - 2213 - 2214 - 2215 - 2216 - 2217 - 2218 - 2219 - 2220 - 2221 - 2222 - 2223 - 2224 - 2225 - 2226 - 2227 - 2228 - 2229 - 2230 - 2231 - 2232 - 2233 - 2234 - 2235 - 2236 - 2237 - 2238 - 2239 - 2240 - 2241 - 2242 - 2243 - 2244 - 2245 - 2246 - 2247 - 2248 - 2249 - 2250 - 2251 - 2252 - 2253 - 2254 - 2255 - 2256 - 2257 - 2258 - 2259 - 2260 - 2261 - 2262 - 2263 - 2264 - 2265 - 2266 - 2267 - 2268 - 2269 - 2270 - 2271 - 2272 - 2273 - 2274 - 2275 - 2276 - 2277 - 2278 - 2279 - 2280 - 2281 - 2282 - 2283 - 2284 - 2285 - 2286 - 2287 - 2288 - 2289 - 2290 - 2291 - 2292 - 2293 - 2294 - 2295 - 2296 - 2297 - 2298 - 2299 - 2300 - 2301 - 2302 - 2303 - 2304 - 2305 - 2306 - 2307 - 2308 - 2309 - 2310 - 2311 - 2312 - 2313 - 2314 - 2315 - 2316 - 2317 - 2318 - 2319 - 2320 - 2321 - 2322 - 2323 - 2324 - 2325 - 2326 - 2327 - 2328 - 2329 - 2330 - 2331 - 2332 - 2333 - 2334 - 2335 - 2336 - 2337 - 2338 - 2339 - 2340 - 2341 - 2342 - 2343 - 2344 - 2345 - 2346 - 2347 - 2348 - 2349 - 2350 - 2351 - 2352 - 2353 - 2354 - 2355 - 2356 - 2357 - 2358 - 2359 - 2360 - 2361 - 2362 - 2363 - 2364 - 2365 - 2366 - 2367 - 2368 - 2369 - 2370 - 2371 - 2372 - 2373 - 2374 - 2375 - 2376 - 2377 - 2378 - 2379 - 2380 - 2381 - 2382 - 2383 - 2384 - 2385 - 2386 - 2387 - 2388 - 2389 - 2390 - 2391 - 2392 - 2393 - 2394 - 2395 - 2396 - 2397 - 2398 - 2399 - 2400 - 2401 - 2402 - 2403 - 2404 - 2405 - 2406 - 2407 - 2408 - 2409 - 2410 - 2411 - 2412 - 2413 - 2414 - 2415 - 2416 - 2417 - 2418 - 2419 - 2420 - 2421 - 2422 - 2423 - 2424 - 2425 - 2426 - 2427 - 2428 - 2429 - 2430 - 2431 - 2432 - 2433 - 2434 - 2435 - 2436 - 2437 - 2438 - 2439 - 2440 - 2441 - 2442 - 2443 - 2444 - 2445 - 2446 - 2447 - 2448 - 2449 - 2450 - 2451 - 2452 - 2453 - 2454 - 2455 - 2456 - 2457 - 2458 - 2459 - 2460 - 2461 - 2462 - 2463 - 2464 - 2465 - 2466 - 2467 - 2468 - 2469 - 2470 - 2471 - 2472 - 2473 - 2474 - 2475 - 2476 - 2477 - 2478 - 2479 - 2480 - 2481 - 2482 - 2483 - 2484 - 2485 - 2486 - 2487 - 2488 - 2489 - 2490 - 2491 - 2492 - 2493 - 2494 - 2495 - 2496 - 2497 - 2498 - 2499 - 2500 - 2501 - 2502 - 2503 - 2504 - 2505 - 2506 - 2507 - 2508 - 2509 - 2510 - 2511 - 2512 - 2513 - 2514 - 2515 - 2516 - 2517 - 2518 - 2519 - 2520 - 2521 - 2522 - 2523 - 2524 - 2525 - 2526 - 2527 - 2528 - 2529 - 2530 - 2531 - 2532 - 2533 - 2534 - 2535 - 2536 - 2537 - 2538 - 2539 - 2540 - 2541 - 2542 - 2543 - 2544 - 2545 - 2546 - 2547 - 2548 - 2549 - 2550 - 2551 - 2552 - 2553 - 2554 - 2555 - 2556 - 2557 - 2558 - 2559 - 2560 - 2561 - 2562 - 2563 - 2564 - 2565 - 2566 - 2567 - 2568 - 2569 - 2570 - 2571 - 2572 - 2573 - 2574 - 2575 - 2576 - 2577 - 2578 - 2579 - 2580 - 2581 - 2582 - 2583 - 2584 - 2585 - 2586 - 2587 - 2588 - 2589 - 2590 - 2591 - 2592 - 2593 - 2594 - 2595 - 2596 - 2597 - 2598 - 25

अथ - विगतने च-

१॥ न. वि. म. - १॥ न

9139-33. 144 44

۱۰۷-۴۲۱۵۳۸

4/10/19

$$14.30$$

1950年10月1日

Am 1. 1. 1911

15-11-21-22-23-24-25-26-27-28-29-30-31-32-33-34-35-36-37-38-39-40-41-42-43-44-45-46-47-48-49-50-51-52-53-54-55-56-57-58-59-60-61-62-63-64-65-66-67-68-69-70-71-72-73-74-75-76-77-78-79-80-81-82-83-84-85-86-87-88-89-90-91-92-93-94-95-96-97-98-99-100-101-102-103-104-105-106-107-108-109-110-111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1044-1045-1046-1047-1048-1049-1

421 91 38.5 = 42

2013-2014

10. $\frac{1}{2} \log 2$

[Faint handwritten signature]

...

4.21, 1994-1995

Page 41-42

22/4/2021

4-5767-212-1

५५९ - श्री विद्या न

2

Church Council

Received... 6.8.34

Register No. 22/...

Date... 3.8.34

File... 30/27

Reply No.

Date.....

BOARD OF TRUSTEES OF THE G. E. L. CHURCH PROPERTY, RANCHI.

SUCCESSORS TO

THE MISSION TRUST OF NORTHERN INDIA

Administrating the former G. E. L. Mission Properties

(Incorporated under Act IX of 1921)

Board of Trustees :—

DR. I. CANNADAY, M. A., D. D., *Chairman*,
U. L. C. Mission, Guntur, S. India.

THE REV. A. JOHN,
Missionary, Chainpur P. O., Dist. Ranchi.

THE REV. M. PREHN,
Treasurer, G. E. L. Church, Ranchi.

P. O. PHILIP, ESQR.,
Secretary, National Christian Council, Nagpur, C. P.

P. HURAD, ESQR.,
Secretary, G. E. L. Church, Ranchi.

D. M. PANNA, ESQR., *Secretary & Manager*,
Deputy Magistrate, Purulia, Dist. Manbhum.

Dated 3rd August 1934.

Ref. No. 236/34 .

The Secretary ,
The G. E. L. Church ,
Ranchi .

Dear Sir,

Your Memo Nos. 156-57/34/F.-29 dated 17th July 1934 .

The resolution of the Church Council on the subject of Ranchi Church Repair was passed on the 19th April , 1934 , but, I am sorry to say, the extract copy of the Minutes was received by me only on the 26th July last . Had I received it before the 20th July last the matter would have been placed before the Executive of the Board of the Board of Trustees , but it could not be done .

However I would like to let the Church Council know that the Board of Trustees have not undertaken to repair the Church . In 1931 a small committee was appointed by the Church Council and it has collected Rs. 700/- towards the cost of the repairs of the Church building . Out of this sum, Rs. 300/- have been contributed by the Board of Trustees . Sometime ago I sent a list of names of the contributors to the Christ Church Repair Fund to be published in the Gharbandhu through Mr. Prehn , but I do not know why it has not been published .

Let the Church Council make out a definite plan and estimate of

the costs of repairs, and send it to me. In the next cold weather further attempts to collect contributions will be made and if it be found necessary, on the request of the Church Council, the Board of Trustees may make further contribution. If possible let the repairs be started from January 1935.

Yours sincerely,

W. P. Paul

Dated 2nd January 1935

Four Remonies 135-57/58 dated 17th July 1934
The resolution of the Church Council on the subject of repairs
Church repairs was passed on the 12th April, 1934. But I am sorry
to say the expected copy of the minutes was received by me only
on the 28th July last. And I received it before the 28th July last
the matter would have been placed before the Executive of the
of the Board of Trustees, but it could not be done.
However, I would like to let the Church Council know that the
Board of Trustees have not undertaken to repair the church. In
1931 a small committee was appointed by the Church Council and it
has collected Rs. 750/- towards the cost of the repairs of the
church building. Out of this sum Rs. 200/- have been contributed
by the Board of Trustees. Sometime ago I sent a list of names of
the contributors to the Church Council. I am sorry to be published
in the magazine through Mr. Train, but I do not know why it has not
been published.
Let the Church Council make out a definite plan and estimate of

Memorandum.

From,

P. Hurad, Secretary

G. E. L. Church,

Chota Nagpur & Assam.

RANCHI.

No. 571/34/F.-48 or 55.

LUTHERAN COMPOUND,

Ranchi 1st. November, 19 34.

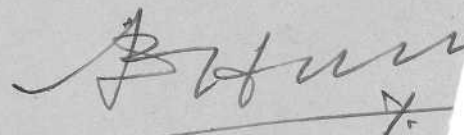
To

The President,

G.E.L. Church in Chotanagpur

and Assam, Ranchi.

The petition in original signed by 129 sisters of Ranchi congregation is sent to the President for needful.



Secretary,

G.E.L. church.

Church Council

Received 18.10.34

Register No. 387.

Date 15.10.34

File 53 or 38:

Reply No.

Date.

18/10
National Christian Council Office,
Nelson Square, Nagpur, C.P.

October 15, 1934.

To

The Editor,

"Gharbandhu"
Ranchi

Dear Sir,

I enclose herewith N.C.C. Call to Prayer and shall be very grateful if you can insert this in the November number of your paper. We are anxious to make the Day of Prayer widely known, and in view of the fact that the Day falls this year on December 2, it would greatly help us if it can appear in the November issue.

I am enclosing also a pamphlet on the Work of the Council entitled - "Co-Operation in Action" and a Financial Statement. If you can see your way to make any reference to these, we shall be your debtors. You may perhaps prefer to print the short statement - "N.C.C. Day of Prayer" also enclosed.

Encls.

Yours sincerely,

No. Shieip

Secretary.

N.C.C. Day of Prayer
December 2, 1934.

In connection with the Day of Prayer for India, Burma and Ceylon this year on December 2, the National Christian Council is making a special appeal to churches to take up a Thank-offering on that day for the work of the Council. The contributions to the N.C.C. from Mission Boards in the West having been seriously affected, an effort is being made to secure an annual income of Rs.5000 from sources in India. Collections, however small, which churches can take up on the Day of Prayer, or some other convenient day, towards this object will be greatly appreciated, and should be sent to the Secretaries, National Christian Council, Nagpur, C.P.

Amlesai - Jamar
18 wim Aug. 1932

महामान्यवर, प्रेसिडेंट साहब जी० इ० एल० चार्ज बेटानागपुर को श्रीशुसहाय।

महाशय आपने १३वीं जुलाई १९३२ के मेजेस्ट्रट सवालनों का उत्तर नीचे लिखित
मोताविक है। :-

- १/ क्या जैसा पञ्चायत कमिशनो के साथ स्टेशनो में किया गया ऐसा पञ्चायत इलाका
भर में सब तरफ मंडलियों में किया गया है ?
- उ: इलाका में कमिशन ठहराये गये थे हर प्रकार पन में धुम र भर पञ्चायत हुई और
उस कमिशन के साथ इलाका सभा भी एकवार पञ्चायत बैठी थी बाद वरसा आने से बन्द
हुई है।
- २/ क्या पञ्चायत करने और लोगों को समझाने नुकामे में साधारण मईलोग मदद देते हैं ?
- उ: साधारण मई भी समझाने नुकामे में मदद देते हैं।
- ३/ क्या मईलोग कोई जगह अपने तरफ से जमा हुए, मंडली और स्कूलों को सम्भालने
के लिये (के विषय) बातचीत करने को हैं ?
- उ: मईलोग भी मंडली और स्कूलों को चलाने के विषय आपस में सल्लाह विचार करते हैं, वहाँ
कई स्थानों में नया स्कूलों को खड़ा भी किया है। पर आर्थिक बढी और अज्ञानपना के कारण
उनकी बृद्धि होने नहीं पाती है।
- ४/ क्या मईलोग चर्च को सिल के सल्लाह को मानते हैं। बड़ा सिनी के विषय (क) हर घर में वासन
है (ख) सांख्यिकि रक्ते हैं (ग) सतवार विहान सब घर से जमा किया जाता है (घ) मंडली-
पैसा हर हप्ता एक दो पैसा जमा करने का सुख हुआ है ?
- उ: मईलोग मानते हैं :- (क) घर वासन रखना आरम्भ हुआ है पर थोड़े जगह तक ही मई है। (ख)
कितने घर नियम तौर से देते कितने नहीं। (ग) जो सतवार मई अगर विहानों से जमा किया
जाता है। (घ) मंडली पैसा भी हप्ता २ कहीं २ देना सुख हुआ है।
- ५/ क्या इतना पञ्चायत जो हुए उनका सुख फल हुआ, अधवा सिनी बढ़ गया ? अगर हुआ तो कहाँ तक ?
- उ: फल होने का उमेद है, लेकिन आर्थिक बढी और दर की वजह से फल नहीं दिसती है।
- ६/ कौन २ जगह में लोग इस बात को मानने नहीं चाहते हैं ?
- उ: कोई जगह को मई विहान इलाके को अगर इस बात को मई नहीं है।
- ७/ कौन २ जगहों में इलाके के भीतर पञ्चायत आदि अवतक सुख भी नहीं हुआ है ?
- उ: पञ्चायत पन को बड़े इलाका सभा की पञ्चायत पनों पर अवतक नहीं बैठे हैं।
- ८/ जो लोग नहीं मानते हैं उनको जैसा समझाना चाहिए आपका सल्लाह देते हैं ?
- उ: स्वाभाविक सम्बन्धी बातों के बिना इलाका में अवतक नहीं हुए हैं इससे विचार भी नहीं किया है।
- ९/ जो जो पर टिन नों से स्कूलों को सहायता देने के विषय :-
- उ: स. स. से ठहराया हुआ संयुक्त इलाका को मालुम नहीं था जो कि Rev. P. Manki के हाथ
में इलाका के कमी तक थी। अब मालुम है इलाके में ५ सौ सैदियां हैं उन से इलाका अपने
स्कूलों को विषय माह्वारी आठ आना वगैरे लेने का प्रयत्न करेगा।

आपका आशाशील सेवक

Johan Bhengra जेभरमेन ।
19-8-32

Nirmal Bhengra, सेनेदरी ।

Church Council

Received... 18.8.34

Register No 264

Date... 16.8.34

File... 30

Reply No.....

Honorary Secretary & Manager :—

D. M. PANNA, Esq, B. A.,
Deputy Magistrate & Deputy Collector.

BOARD OF TRUSTEES OF THE G. E. L. CHURCH PROPERTY, RANCHI.

SUCCESSORS TO

THE MISSION TRUST OF NORTHERN INDIA
Adminstrating the former G. E. L. Mission Properties
(Incorporated under Act IX of 1921)

SH
18/8/34

Ref. No. 259/34

Dated 16th August 1934 .

The Secretary ,
The G.E.L.Church,
Ranchi .

Subject:- The Bungalow at Jharsuguda .

Dear Mr. Hurad,

The resolution of the Executive of the Church Council dated 16th May 1934 re:- Jharsuguda Bara Bangla was received by me on the 19th July 1934 . There was delay of two months in sending me the copy of the resolution.

Please send me all papers , that is, correndences between you and Mr. Asirbadam , so that the question of payment of rent for the bungalow may be settled , if not already done by the Church Council .

Yours sincerely ,

D. M. Panna

Chaintpur. P.O.

23rd October 1934.

मन्थावर - प्रेसिडेन्ट साहिब - को - मेरा - पोष्टुसहाय -

आप को भेजी हुई - चिट्ठी को वात में - मेरा आप को लिखना यह है कि मैं इस के बारे में पादरी बाबू इम्मानुएल से कुछ बातचीत किया। पत्रस के चिट्ठी का नकल को पादरी बाबू इम्मानुएल मेरे पास भेज दिया। इतने में सांखर हुआ पर आज बिहान पादरी बाबू अपना किसी काम में चला गया सो तुरन्त अजी बाबू से बातचीत नहीं कर सकेंगे। पर उतना ही कम सांखर भाबूम हुआ कि वह कहता है कि पत्रस का चिट्ठी किसी के चत्ताने से लिखा गया चिट्ठी में जो लिखा है सो पादरी ने नहीं कहा चिट्ठी को बातें हेरन भाषर के बताये हुए हैं। हेरन ने बताया कि जो ^{हम} बताते हैं सो कुंवारी को बताई हुई बात है हेरन के घर में बताई। बाबू बोलता है कि चिट्ठी को बातों को आप बिश्वास नहीं करता है। पादरी बाबू इम्मानुएल अजी तक अरजी करता है कि प्रेसिडेन्ट साहिब आप ही आवे और मुद्ई - मुदालेह को बातों को तदारुक करे। उतनाही मैं ने कम तदारुक करके पाया। जब पादरी अपने काम से धुरेंगे तो और फिर उन से बातचीत करेंगे और आप के पास हाल भेज देंगे। आज पत्रस के चिट्ठी का नकल पढ़कर मुझ को बहुत अयसोच भाबूम होता है। मुझ को बुझता है कि अरबपर आप को आमा और तदारुक करना होगा।

आप का

A. John.

Chitron Chitron

12.10.34

Register No. 324

Date 7.10.34

File No. 11

Reply No. 11

Date

Sarnatoli 7.

12/10

माध्यम चर्च कौंसिल छोटानागपुर और अस्सा.

बहुत यों सहाय ।

आप को मालुम है कि जुदाग पेरिस के कोंकेआ

गांव के कई घर सनटोली पेरिस के कुटुम प्रचारक पन में गिर्जा करते हैं और उन्होंने दरखस्त भी हजुर में दिया है कि वे बुर्जू इलाके में मिलाये जावें । इस बात के जांच के लिये पंच भी ठहराया गया है । लेकिन कारणा बश पंच भी आने में लचार है । इस वस्ते मैं सोचता हूं कि अगर यदि इस वर्तमान ^{दसहाय} तातिल में बाबु थेओदोर सुरिन वकील को उपरोक्त बात के जांच के लिये इजाजत दिया जाय तो वे सुगमता से जांच कर सकेंगे ।

मैं हाल में गया था उस गांव की दशा अति सोचनीय हो गई है क्योंकि दो जवानों ने अपने सादी वाली स्त्रियों को छोड़के एक जन ने रखनी लाया है, एक सादी वाली युवती छोड़ी गई है । बहुत लोग मतवालपन में जीते हैं उनके बिआमवार पालन करने का कोई भी ठिकाना नहीं है । उनके देख भाल के लिये उथुर प्रचारक पन से कोई भी नहीं आते हैं क्योंकि वहां एक स्कूल माधुर गिर्जा करता है ।

इस लिये मैं अर्जी करता हूं कि कृपा करके मेरी इसी बिन्ती को ग्राहण कीजिये जिस्ते उन बेचारे का योग्य प्रबन्ध

किया जा सके ।

आगे शुभ

आप का आज्ञाकारी

J. Sanga

Church Council
 Received 5.11.34
 Register No 406
 Date 11.34
 No 8
 Reply No
 Date

डङ्का पानी
 ता० र० - १० - ३४।

चर्च को सिलमहा सभा गरा को हम डङ्का पानी मन्डली को -

माइघों को ओर से प्रोशुसहाय ।

महाशय ।

हम डङ्का पानी मन्डली गङ्गबड़ी को फेरसला क्या -

हे सो हम लोग जल्दी जानना चाहते हैं । आप कृपा करके इसका खबर और न-
 भेज दीजिये-क्यों कि इसी गङ्गबड़ी के कारण हम लोगों को बालक स्नान -
 ओ प्रभु भोज सब नहीं मिलती है ।

हम लोगों को मन्डली गङ्गबड़ी का कुछ बचान भी चे लिखते हैं -

उन तिनों (सामुल्लसमदे, सन्तोष समदे और मारिडन तोपीनो) पेरिस सभा-
 से भेजे हुए प्रचारक मनमसिह केरकेटा को मंजूर कर गिरजा करने के लिये
 के दी पर चढ़ने नहीं दिये - तब सामुल्लसमदे और सन्तोष समदे गिरजा-
 करने के लिये ब्याड़े हुए और गिरजा किये - पीछला सतवार से -
 वे तिनों अलग गिरजा करने लगे-जो आज तक अलग ही गिरजा करते
 हैं । हम लोग पहिली परटी को इस प्रचारक को खुशी से मंजूर किये ।

एक सतवार को प्रचारक मनमसिह केरकेटा और सामुल्लसमदे कुरकुरा-
 बाजार अतरा के कारण एक ही जेला में गिरजा करने को समझ -
 बाटे । और हम पहिली परटी वाले पहिले गिरजा किये - उनके गिरजा
 का समझ नहीं हुआ था । हम लोगों को गिरजा चलते ही थे कि दूसरा परटीयो-
 में से एक सन्तोष समदे आनारबुरी मैली बातों से (I तोरी माका चौदो सब -
 II तोरी माका चौदो सला परचार को न तुमों के पां गिरजा करने को हुकुम दिया है
 जल्दी वास करो नही तो अभी जान पकड़ के निकल देंगे) से ही गली
 दिया - इसको सुन कर प्रचारक अन्तिम प्यारा घाना भी नहीं कर सके ।

गिरजा घर के बाहर से
 गिरजा बाहस दोनों परटीयो के बीच में गङ्गा हुआ - इस अ गङ्गे या गङ्गबड़ी को -
 हम लोगों ने पेरिस सभा को दिखाया और पेरिस इलाका सभा को । इलाका सभा गरा
 दूसरा परटी के सन्तोष समदे को जो हम लोगों को और प्रचारक को गिरजा -
 करते समय मैली बातों से गली दिई - छोटी सभा में रख दिये हैं ।
 आप इस के विषय इलाका सभा गरा के द्वारा इजहार भी मांगे - जिसको हम -
 लोगों से इजहार लिया जाकर भेजा गया है ।
 आफन्दे हजूर मालिक हैं ।

forwarded to C.C.
 11/11/34

- पठि-सन्तोष समदे ।
- साही-सुलेमान समदे । साही-जकरिया समदे ।
- साही-मुनावाज बागे । साह-हाबिल समदे ।
- साही-मुसाफ लुगुन । साह-जोहन सुरिन ।
- साह-सुलेमान समदे । साह-मनमसिह समदे ।
- साह-जीवन मसीह जीजो । - वगैरह

कोरांजी इलाका चैपर मेन के मरफत -

चर्च कोसिल सभा. को ।

रांची ।

29.10.34

No. 372

16

Date.....

From the office of the Full. J. Sabha Karimatti

Dated the 4th Oct. 1934

प्रति बरनाबास हमारे के बरत। कापीत.

चर्च कौंसिल के संकल्प पर: करीमदी इलाका सभा को सविनय भर्ज पत्र।
 संकल्प: - मोर के द्वार स्थित हुआ-कि करीमदी इलाका अपने इलाके
 की कई दशाओं के सुधार के निमित्त पीछे बरसों तक एक ही छोटी सी काम
 समझने। सुधार की बातें: - I. करीमदी हेउ कटार की विगड़ी हुई दशा।
 II स्कूलों की गिरी दशा।
 III प्रचारकों की साधक दुगति।

सो चर्च कौंसिल को सविनय भर्ज है कि उक्त छोटी बरनाबास हमारे
 को वापस लौटा लेने और कृपा पूर्वक उसको सत्य जगह में बहाली
 कर देवे।

आप लोगों का सादर कर्त
 करीमदी- इलाका सभा

Chairman
 Partii M. Manki
 24/10/34

1. गुनह सोर
2. B. K. L. S.
3. Premankh Manki
4. S. Kongar. Sordar
5. Jakria Saman
6. Prabhudayal Lugun
7. कामर हमरेन.
8. J. Burh Pracin.
9. Anas Guria

- 99 Sirdy. M. P. Zirkay
- 92 Pandit Long

उपरोक्त महीत यमरा अरुस।

Received 29.10.34
 Register No. 392
 Date... 25.10.34
 File... 16
 Reply No...
 Date... 25.10.34

Karimatti 25/10/34

Karimatti Chairman ka Pehor.

Barnabas Harman Babab.

ॐ.ॐ. के सब मेबरों को सम्बोधित यह जगह को अपना
 कर्तव्य हुई. कि मैं कुछ बयान कहूँ —

आप लोगों की आज्ञा मोटिस द्वारा मुझे ज्ञात हुई. मैंने
 मोटिले मोटिस को बताया, मोटिस ने सुनो ही उजूर निई कि वह जन नभावे
 मोटिस दरबान चेरा निई. फिर लोकाए मंडली को भी जनाया, लोकारामने
 भी दरबान निई. दोनों दरबान देख कर मैंने इलाका सभा को
 मोटिस निई कि बानाबास बाबु को सम्मान पर इलाका सभा ने इन
 दरबानों को देख मोर बढ़ाया, यहां तक कि कुछ बाबु के दोषों
 को भी लिख दिई अपने उजूर दरबान पर, जिससे लेकर President
 पहचान गए, वह उजूर पत्र के सभों के सामने समझाया पर
 प्रेसमन, लोका मोर ही बढेर होगये - इधर माननपुर स्टेट में
 वो नई जन अपना मंडली स्वी देके दरबान लिख President को
 भेरा हुई. जो President ने दरबान इलाका सभा को क विचार
 निमित्त सौंप दिया, इलाका सभा 28/10/34 बोली, इलाका ने
 विचार कि मोट द्वारा साध निभा जाय, मोट में इनबाबालों
 की संख्या बोली होने से अब सभा बा दिई. बानाबास बाबु
 मोट जाय ।

येमामने - इलाका को दो मोर 2 जगह के निभे
 करनी निई - मोती - बिभित्रापुर, यहे माननपुर स्टेट के
 दरबान मंडली में — बाबु यह भी निष्कूल बहरा - सो मैं
 आज कलाई कि मेरे ऊपर जो कलंक, जो कहर चर्चकौसिल
 सोचे तो मुझे केचिपत जो जबाब मांगे - जो माफ करे ।

आगे भन

आपको सेवक

माजी M. Manki

25/10/34

मोट
 पहा में 4
 बिपक्ष - 93

9 माबर आम सभा के प्रतिनिधि
 इलाका सभा के साथ
 बोली थी ।

ॐ.ॐ. को उजूर पत्र के सभों के सामने समझाया पर प्रेसमन, लोका मोर ही बढेर होगये - इधर माननपुर स्टेट में वो नई जन अपना मंडली स्वी देके दरबान लिख President को भेरा हुई. जो President ने दरबान इलाका सभा को क विचार निमित्त सौंप दिया, इलाका सभा 28/10/34 बोली, इलाका ने विचार कि मोट द्वारा साध निभा जाय, मोट में इनबाबालों की संख्या बोली होने से अब सभा बा दिई. बानाबास बाबु मोट जाय ।

BOARD OF TRUSTEES OF THE G. E. L. CHURCH PROPERTY, RANCHI.

SUCCESSORS TO

THE MISSION TRUST OF NORTHERN INDIA
Adminstrating the former G. E. L. Mission Properties
(Incorporated under Act IX of 1921)

Honorary Secretary & Manager :—

D. M. PANNA, Esqr, B. A.,
Deputy Magistrate & Deputy Collector.

Ref. No. 323/34 .

Dated 25.10.1934 .

President the Rev. John Topono ,
G.E.L. Church ,
Ranchi .

Dear President of the G.E.L.Church ,

Regarding the Emergency Compensation Loan that was decided upon by the Church Council on the 22nd September last ,I beg to inform you that I have talked with the Manager of the Chotanagpur Banking Association Ltd. Purulia Branch, about the loan . He says that the Bank's usual rate of interest is 10 per cent ,but he will try to obtain the sanction of the Head Office at Hazaribagh for interest at 9 per cent . He also says that the Bank wants security ,not in property ,but in Government Securities ,Deposits in Banks or in Post Offive Cash Certificates .

It is for the Church Council to decide if it wants to take the loan at 9 or 10 per cent per annum/interest . It must also decide about the security for the loan . If a request be made ,the Board of Trustees may give their deposits in the Banks or P.O.Cash Certificates in security to the Chotanagpur Banking Association Ltd. At Ranchi I had a talk about this matter with you ,and it is for you to move the Church Council ~~now~~ in the matter now.

The money market is very tight ,and I find no body except the Chotanagpur Banking Association Ltd willing to loan out the money to the Church Council .

Yours sincerely
D. M. Panna

No: 566/34.

To,

The President of the
G.E.L. Church,
Ranchi.

Dear Sir,

I wish again to point out as I have very often done before, that all office-bearers and Heads of Departments should work according to the Plan of Work sanctioned by the Mahasabha.

The Secretary, therefore requests that all applications and papers connected with their respective Department be received and placed by them before the Council in its meetings and when the Church Council disposes of the subjects and when they have been minuted such Minutes will be conveyed to them by the Secretary. The Departmental Heads will then make themselves responsible for communicating these resolutions and decisions of the Council to the persons and institutions concerned.

2. The Secretary will also similarly not hold himself responsible for the issue of the AGENDA for the Council meetings or for the meetings of the Executive until and unless he gets the respective Agendas from the Heads of Departments.

3. In future when papers or applications come to the Secretary he will forward the same to the Heads of Departments to whom they relate.

4. When subjects are disposed of, the Secretary will, keep in files all such papers so disposed of, for future use and reference.

Ranchi.
The 13th Oct. 1934 }

Your sincerely,

B. J. Furman
X

The Federation of Evangelical Lutheran Churches in India

PRESIDENT:

J. D. ASIRVADAM Esq.,
LANDON'S GARDENS, KILPAUK,
MADRAS.

SECRETARY:

REV. L. A. GOTWALD,
CHIRALA, GUNTUR DIST.

VICE-PRESIDENT:

REV. G. A. BJORK,
CHINDWARA, C.P.

November 14, 1934

Mr. J. Topono, President,
Church Council,
Gossner Autonomous Ev. Lutheran Church,
Ranchi, Bihar

Dear Mr. Topono;

I beg to acknowledge receipt of your appeal dated the 9th of November, addressed to me, as Secretary of the Lutheran Federation of Churches. I have already written to you, intimating that the Executive Council of the Federation will be meeting in December, and at that time, the situation facing the German Missions should be taken up. I will be glad to present you matter to the Executive Council at that time.

However, you must be well aware of the fact that the Federation, as such, has no funds at its disposal for such relief and aid. Therefore we will have to carefully consider, just what steps, and along what avenues such aid must be sought.

Yours sincerely,

L. A. Gotwald
Secretary.

The Federation of Evangelical Lutheran Churches in India

PRESIDENT:

J. D. ASIRVADAM Esq.,
LANDON'S GARDENS, KILPAUK,
MADRAS.

SECRETARY:

REV. L. A. GOTWALD,
CHIRALA, GUNTUR DIST.

VICE-PRESIDENT:

REV. G. A. BJORK,
CHINDWARA, C.P.

15th Nov. 1934.

President J. Topono,
Gossand Mission Compound,
Ranchi, Bihar

Dear Friend,

At the meeting of the Executive Council of the Federation of Evangelical Lutheran Churches in India, held in Madras, on Sept. 10th, 1934, the following resolution was passed:

RESOLVED: that the Enlarged Meeting of the Executive Council be held on December 27th, 28th, 1934, in Chindwara, Central Provinces, with the opening session on the evening of the 27th.

We cordially invite you to be present, as you are one of the Presidents of a Mission or Church, affiliated to the Federation, who is not otherwise a member of the Executive Council of the Federation. We will welcome your presence at these meetings.

In order that plans may be completed for the programme, and arrangements be made for the entertainment of visitors, I request you to inform me, on the enclosed postcard, whether or not, you will be present, at this Enlarged Meeting of the Federation Executive Council. I shall be pleased to have this information as early as possible.

Yours fraternally,

L. A. Gotwald
Secretary.

The Council of the India Mission of the United Lutheran Church in America

REV. L. A. GOTWALD,
President

REV. E. NEUDOERFFER,
Vice-President

REV. CLARENCE H. SWAVELY,
Recording Secretary



REV. H. H. SIPES,
Corresponding Secretary

MISS AGNES C. CHRISTENSON,
Cor. Secretary, Women's Work

REV. I. CANNADAY,
Treasurer

Office of the Treasurer

~~SECRET~~
RAJAHMUNDRY
Ref. No. 2879/34

November 12, 1934.

Rev. J. Topono,
President, GEL Church, Luth. Compound,
Ranchi, B & O.

Dear President Topono,

This is to acknowledge receipt of the letter, dated November 7, 1934, sent by you and Mr Soy, and to say that I will consult with the authorities of our Mission to see whether anything can be done to help you or not.

As an individual I cannot make any promise, but I am willing to use my influence to do whatever it is possible to do. It is needless for me to say that Mrs Cannaday and I have deep sympathy for you and your people in this time of great distress, and I personally feel that it is the duty of the sister Lutheran bodies to help you as far as possible. Just lately we made a loan of Rs 5,000/- to the Breklum German Mission in the North Telugu country. All the German Missions in India are now having a very hard time, and no one knows whether they can continue in this country or not.

It would have been of help to us to know what the attitude of your German missionaries is in regard to this appeal. Do they approve of it or not? Why did not the Treasurer also sign it, since he represents the German missionaries? Are the Germans willing for other Missions to help the Gossner Church at this time? These are some of the questions which occur to me.

With kindest regards and best wishes from us both, I am,

Yours sincerely,

IC/VA

The Federation of Evangelical Lutheran Churches in India

PRESIDENT:

J. D. ASIRVADAM Esq.,
LONDON'S GARDENS, KILPAUK,
MADRAS.

SECRETARY:

REV. L. A. GOTWALD,
CHIRALA, GUNTUR DIST.

VICE-PRESIDENT:

REV. G. A. BJORK,
CHINDWARA, C.P.

Madras: Novr. ¹⁴15, 1934.

President J. Topono,
Gossner Ev. Lutheran Church,
R a n c h i.

Dear President Topono:

Your letter of Novr. 9th signed by you and Mr. Soy has just been received and I can quite realise what enormous difficulties you must be now having. We were until July getting a remittance of Rs. 4 thousand and odd per month, or roughly Rs. 50,000 a year from Germany, and the stoppage of this subsidy has meant a very serious strain upon us. In addition to cutting salaries of our workers up to 20 to 25 per cent we have been forced to borrow heavily and use up a part of our Church Fund capital, but this is the first year of such acute troubles, for even during the war generous help from Sweden kept us above want. But in your case the trouble has lasted for so many years and now when even the little money that was coming from the West is entirely stopped, it must be an appalling situation. It is impossible at present stage to turn to any of the Lutheran churches in India for help, and as you know even in America the churches are not prosperous, and American Missions have made very drastic cuts in their ~~subsidies~~ remittances to India. Until this new German situation was brought about, the position of Americans was the worst in the country, but now the German missions are again thrown into a frightful situation. I have already written to Dr. Morehead a very strong appeal on behalf of the Gossner church and this action was taken even before we knew anything about the new German situation, and I have every hope that Dr. Morehead would do his best for the Gossner church.

As you are aware, in response to the appeal of the Federation backed up personally by Dr. R. M. Dunkelberger when he was in America, the action of our Federation conference of 1932 has had a very good effect; for at Dr. Morehead's instance the Gossner church has been placed in the list of bodies outside America which need help. I have every hope that by this time some money has been collected and that you can soon expect a remittance from America. Your letter of Novr. 9th will act as a further impetus in the matter and I shall again write to Dr. Morehead by Airmail on Monday the 19th. If your letter had come two days earlier I could have sent the appeal last Monday.

At the next Enlarged meeting of the Federation Council where this question will be considered we must have the Gossner church well represented and we shall be happy if two missionaries including Dr. Stosch and at least two Indians are sent to Chindwara to attend the meeting. I have already written to the Secretary on the subject and trust you will take action and let me know who are coming so that we may draw up the final programme for the meeting. With cordial greetings

Yours sincerely,

J. D. Asirvadam

Copy to the Secretary, Federation,
Chirala.

1
With Compliments
from

The Secretary
N. J. C. Tract & Book Society
18, Clive Road, Allahabad.

No. 1841

Head Super's Agenda for the next C. C. meeting.

23.11.34

(In addition to those submitted to the Executive ,

Keep it with
Agenda.

Church Council

Received 23.11.34

Register No. 4252.

Date 23.11.34

File 43

Reply No. 4.

Date

School finance for 1935 (M. E. P.S.)

Transfer of Ilaka Chairmen of Koronjo, Gumla & Lohardaga.

Partial release of Hd. Supr from Office work.

Chai Lantia

Matters that would arise ~~then~~ later.

Ranchi, the 23rd November, 1934.

N. G. G.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

गोविन्दपुर
१४-२-१९३५

माधव महाशय,

माधव-को प्रेमपूर्वक-पत्रसहाय ।

मैं आज ही खुलीयेली जा रहा हूं और यह खत माधव-को
मिहिरवानी में भर्परा करता हूं जो भर्परा करता हूं कि मैंने
दुःखों की गहिराव में पड़ कर जो एक-या-दो-या अधिक
भी अनुचित व्यवहार जो बातें किई यदि हरसक-का
हिसाब मुझसे लिया जाय तो असम्भव है कि मैं उनका
जवाब देने सक्षम । चोटों की पुचंडता में- आपनी अवस्था
तथा उद्धत स्वभाव के अधिक हो कर ही मैंने मदुरदीक्षा
का-नाम-लिया और यों-आपने माधव-को अभिसरों की
नजरों से गिरा-दिया; इतने होने पर भी अब मैं क्षमापूर्वक
हाथ-जोड़ कर बिन्ती करता हूं कि-माधव-दयापूरा हो कर
मेरे-आपराधों को खाल-नकरें और क्षमा-करने-को आप
करें-जिस उपाय-को-आप-मैं-चिन्तित-रहूँगा-
और जीवनपर्यन्त-माधव-को-आप-का-पात्र होऊँगा

मैं समझता हूं-कि-यदि-माधव-चाहें-तो अभी मैं
सुविस्ते-का स्थान-पा सकता हूं और-ऐसी-ही मेरी भर्परा
है और-भी-अन्य-अभिसर-हैं पर-जो स्थान भ्रान्त-
क्षेत्र-में माधव-का है वह और-दूसरों-को-आवतक नशीब
नहीं हुआ-है। यदि माधव-मुझे-क्षमा-दे दें, तो उम्मेद-है
कि-आप-ही-मैं गोविन्दपुर में-स्थान-पा सकता हूं। माधव
मेरी-गरीबता-पर-भी-खाल-भीड़ियो-इसके अलावे

family - ओ रोनी होने-मा-मा - इतना-जल्दी
 मुझे - इन-कठिनताओं-मा समझा-मना-उठान-
 से मैं-कम-नी मायम-नहीं-दिखा-या -
 मैं-भिरा-मा-से मज्जी-कहा-हू-कि-
 मैं-ममुरचीह मा-दामा-करी-
 मा-मा-ही मैं-पूरा-नरोसा-रख-रख-
 कर-करा हूँ। मैं तो हले-माच-वन-में भिर-चला
 मंडंगी-क्योंकि-हाल ही-होता है।

माताश्व

Mansidh Popano.

BOARD OF TRUSTEES OF THE G. E. L. CHURCH PROPERTY, RANCHI.

SUCCESSORS TO

THE MISSION TRUST OF NORTHERN INDIA
Adminstrating the former G. E. L. Mission Properties
(Incorporated under Act IX of 1921)

Honorary Secretary & Manager :—

D. M. PANNA, Esq., B. A.,
Deputy Magistrate & Deputy Collector.

Purulia, Manbhum Dist .

Ref. No. 129/35 .

Dated ~~33rd April~~ 1935 .

Rev. M. Prehn,
G. E. L. Church ,
Ranchi .

Bear Mr. Prehn,

Rev. Johan Toppo of Gumla writing on the 15.4. 1935
writes as follows :-

- P.H.
1. " Main Rs.9/-/9 Mr. P. Hurad , Church Council Secretary ko Bhaldamchatti ka mal babat Maharaja ko dene ko rupaiya bheja tha , par wah hamen mal ka rasid nahin diya hai "
you
Will/ kindly ask Mr. Hurad to send the Rent-receipt , if the rent has been paid , to the Rev. J. Toppo ?
 2. " Bagan Rs.20/- men age Ilaka nahin le sakega . Yadi Rs.10/- ho to Boarding lega o turant paisa Rs.10/- bheja ja sakta hai. Kyonki abhi larkon ke jyade hone se April men pani khatam hai. Patane se January hi se pine ko takhlip hoga . Achha hoga jo jamin ko thika liya hai so lewe . "

CC

The Gumla garden has been settled in the past for one year from May to the following April . Last year because there was Miss Heintze it was on her request the garden was settled with her and the Ilaka . The Pastor in charge is willing to take the settlement for the Ilaka for half of the amount of rent paid last year .

Property

Will you and Mr. Hurad advise as to what should be done ? It would be perhaps better if the settlement of the garden ^{in made} by auction but as there are conflicting interests to be considered (the boys and girls and hata people also take drinking water from the well) I do not like to give the garden to any non-Christian . If some Missionary is going to Gumla (I do not know who is going to take the bungalow after Miss Heintze) it would be better that he or she takes the settlement of the garden.

Yours sincerely ,

D. M. Panna

BOARD OF TRUSTEES OF THE G. E. L. CHURCH PROPERTY, RANCHI.

SUCCESSORS TO

THE MISSION TRUST OF NORTHERN INDIA
Administating the former G. E. L. Mission Properties
(Incorporated under Act IX of 1921)

Honorary Secretary & Manager :—

D. M. PANNA, Esqr , B. A.,
Deputy Magistrate & Deputy Collector.
Purulia, Manbhum Dist .

Ref. No. 127/35

Dated23rd April 1935 .

Rev. M. Prehn ,
G. E. L. Church ,
Ranchi .

Dear Mr. Prehn,

CC
I am sending you a letter from the Pastor of Kondra in which he asks for some monetary help from the Board of Trustees. The house in which he lives is not under the direct charge of the Board of Trustees and so as Trustees we can not help him out of his difficulties .

I do not know if the Church Council has received any application from him. But if there be money enough at the disposal of the Committee in charge of the Church Council properties , I should propose that something may be paid. You can consult Mr. Purti and if he also agrees some small sum may be paid .

Yours sincerely ,

D. M. Panna

20

The manager + Secretary Board of
Trustees of G. D. & Church Property Land.

From Rev. L. Laksh Lutheran Compound
Kondra Dated 17th April 1935.

मान्यवर. D. M. Panna साहेब को मेरा बहुत

प्रिय सहाय ।

मुझे आप शीघ्र ही आप के पास लिखना हो
रहा है कि मेरे कोन्डरा इलाका का बंगला जिसमें मैं रहता
हूँ बहुत खराब हो गया है और इस वर्ष यदि मरामत न
होवे बिल्कुल गिर जायगी। इलाका मरामत करने में दुर्बल
है जैसा तैस आउटदर मरामत किई जा रहे है पर बंगला
मरामत नही कर सक रहे है। इसलिये आशा पूर्वक कार्य
किई जा रहा है कि यदि थोड़ा बहुत रुपैया २५ तक खर्च
किई जायगी और दत्त बचाई जायगी तो आगे नये तौर
से मरामत करने में तकलीफ नही होगी। मैं इस बात
के विषय C. C. सेक्रेटरी के पास गेक ई वर्ष से बातचीत
करते आ रहा हूँ और इस समय उन्हें पिकर्सु लिखा हूँ पर
नाण आयेगी मुझे माहूम नही है। इसलिये निश्चित
आशा सहित यह पत्र आप के पास भर्परा कर रहा हूँ जिसे
उचित विचार कर सुसमय में उपकार करेंगे ॥

आप का बिस्वस्त सेवक

Rev. L. Laksh.

माली बाबू मेरी
दुर्बलता का दया
से जानते है
और इसी के विषय
जसपुर नगर में बहुत
बातचीत किया
हूँ- आगे चल
के माफ कीजियेगा

Rev. L. Laksh

17-4-35

Recd. 12/10/34
 Regd. 375
 Date 10/10/34
 No. 16. 555
 Date ...
 ...

12/10/34 Karimnatti
 10/10/34

इलाका इलाका चर्च कौंसिल को करीमदी
 इलाके को इलाका पंच की ओर से - बहुत ही सदा
 साथ में -

महाशयगण:

मैं करीमदी इलाका नेपा बाबु बरला बास हेमरोम के इस
 इलाके में काम करने को नो में एका बार जो उजुर दरबाना
 चर्च कौंसिल के पास सेमेटरी जरिमे भोजी थी उसको
 संवात्म लिखित लेख पाने चाहता है जिसमें जाने कि उजुर
 मुना गया वा नमंजूर हुआ जिसकरके इलाका लेख पाने
 से ओर भी बिचार कर सके । पायी बाबु बरला बास हेमरोम
 जो मन्त्र बाबु चोहन तो: पेंसिडेन्ट साधे चर्च के वास्ते
 50 चेफमेन भी हजिर थे - लोवाएम मंडली के सामने उक्त
 बाबु को जो 2 कैमिडल इलाके के दक्कल में लिखे हुए
 थे पेंसिडेन्ट साधे के पब्लिक में पढ़ने से छोटे बड़े को ही
 उजुर करने लगे । चेफमेन तो इलाका को चर्च कौंसिल के
 के फाफुलर करने को तैयार हैं । पर ऐसा करने से कि चर्च
 कौंसिल + इलाका के बीच में जबदीक पैसला नहोवे तो
 चेफमेन क्या करें: सो फुफाया - महर ही संकल्प को
 भोज दीजिये ।

II बात — हमारे नाइ लोग बहुतों का सवाल
 है कि "को: रदाक सभा" के बारे जो दूसरी नोटिस मिला
 उसमें रेकोराइंग सेमेटरी का सही देखने से सवाल किये
 कि मूल सेमेटरी P. M. मन्त्र का सही नहीं है क्या चर्च
 कौंसिल ने उसको छोड़ दिया वा उसको निबल दिया, या क्या
 क्या वही बिगाड़ने वाला वा फाफवा क्या ? इसमें सन्देह
 नहीं करते हैं कि चर्च कौंसिल में इतना फुदफाट होने
 से कोटोतेगी नहीं ठहरेगा - इसलिये फरजो है कि
 इसका जवाब भी फुफा का भोज दीजिये । आप
 का बहुत धन्यवादी होंगे

आपने अम. आपका दीनवास
 पायी M. Manki
 Karimnatti
 10/10/34

Jurdag

Manyawar Khajanchi M. Trehn,

ko yishusahay.

Main prarthna sahit apne arthik sahayta

Church Council

Received 28.3.35

Register No. 683

Date

File 10. 1934

Reply No.

Date

ke liye apke ^{pas} likhta huu ap hamari is
arji chithi par dhyan karenge.

1934 May- Dec Mandline Rs58-Rs61

ke bhitar talap dene saka jo ek ~~hai~~
chhoti sankhya hai aur ^{pratikpalan} ~~ya~~ ek liye

leari & sochniye bat hai so ap is

chithi ko pate sath sahayta karneko

uchit prakarnik karenge, jo ke liye

main ap ka leara dhanyabadikunga.

Ap ka Sewak

Dreas

Please include in your next
Agenda + put it before the C.C.

J. Sozeng (Pastor)

Jurdag Parish ka charge Rev M.

Heavron se 17.3.35 ko paya.

address

to

P. Bhengra Hd. master

M. E. School

Govindpur

Jarigarh. P.O

Church Council
Received 13.3.35
Register No. 622
Date 12.3.35
File 52-29
Reply No.
Date

Ranchi

March 8, 1935

All Heads of Departments.

You are already aware of the appeal issued by the Provincial Committee appointed by His Excellency the Governor of Bihar and Orissa for collection of funds to celebrate in a fitting manner the great anniversary on the completion of 25 years' glorious reign of Their Majesties the King Emperor and Queen Empress. A local committee has also been formed with the Deputy Commissioner as President for collection of funds in this district which certainly will not lag behind in showing their loyalty to His Majesty's Throne by subscribing to the Jubilee Charitable Fund which according to the wish of His Majesty the King Emperor would be devoted to the relief of poverty and suffering in India. The fund thus collected, a large proportion of which would be returned to this Province would, as decided by His Excellency the Governor, be devoted to the medical relief of women which is of most immediate importance.

It has also been decided to celebrate the Jubilee locally in a fitting manner by illuminations, entertainment of school children and feeding of the poor, for which a separate fund has been opened.

As directed by the Committee, I am to request you to kindly help the Fund by making collections from your office and those subordinate to you. Any amount however small is welcome, and the fund for which the amounts are donated may kindly be noted, (Central Fund or Local Fund). The amounts of collections may be sent to the Deputy Commissioner or to the undersigned for which formal receipts would be issued separately for amounts over one rupee and a consolidated receipt for lesser amounts.

1-20/12.3.35

The Secretary G. E. L. Mission

Sadr Sub Divisional Officer,
Ranchi.

Thiruvananthapuram
 26.3.35
 No. 684
 Date 20.3.35
 No. 28
 Reply No.
 Date

Finance

સાહેબ

અમીરોદાસ

નોં ૨૦ માર્ચ ૧૯૩૫

પ્રિય - મને - કોઈ સલામ - મે - મદરસાનો - બા -

મીરોદાસ -

માન - ભાઈ - બા - ૧૫-૨-૩૫ બા -

માણેક બા (મદરસા - બા - ભાઈ - ભાઈ - મદરસા)
 મદરસા - ૨૫-૧૨-૩૫ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - બા - ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ
 મદરસા - મદરસા - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -

બા - મદરસા - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -
 ૨૫-૧૨-૩૫ - બા - ભાઈ - મદરસા - મદરસા -

- (૧) મદરસા - મદરસા - મદરસા - મદરસા - મદરસા -
- (૨) મદરસા - મદરસા - મદરસા - મદરસા - મદરસા -
- (૩) મદરસા - મદરસા - મદરસા - મદરસા - મદરસા -

નોં ૨-

112-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1044-1045-1046-1047-1048-1049-1050-1051-1052-1053-1054-1055-1056-1057-1058-1059-1060-1061-1062-1063-1064-1065-1066-1067-1068-1069-1070-1071-1072-1073-1074-1075-1076-1077-1078-1079-1080-1081-1082-1083-1084-1085-1086-1087-1088-1089-1090-1091-1092-1093-1094-1095-1096-1097-1098-1099-1100-1101-1102-1103-1104-1105-1106-1107-1108-1109-1110-111

(1) $\sqrt{414572}$ - - - - -

(2) 4922 - Patos Kalua,

(3) द्वेज्जर - Pabās Mandar.

ઉત્તર સમાને ચર્ચ કોન્સિલ કો કિતને અનુચિત વાળાઓ સે તિસ્ત્તા વિગતા જેસે
 — the Church Council members either lost their senses altogether
 or have unbalanced mind. x x x black lies x x x
 arbitrarily, a lie of the first order, capable only of an unsound
~~mind~~ Council. x x x reckless workers of the Church x
 x x x omniscient pretensions of the Church Council
 in declaring our Association's activity as evil (anuchit) and
 harmful (harmikarak) + antagonistic (bivudh) and in declaring
 our Association a rebellious institution (udgulari Sabha).

गोस्सनर एंवजेलिकल लूथरान चर्च कौंसिल का कार्यालय ।

रांची ॥

सरक्युलर नम्बर ५५४ ।

ता० २७ सेप्टेम्बर १९३४ ॥



हमारे क्लोथानागपुर और आसाम के सब भाई और बहिनों को !

हमारे पिता ईश्वर और हमारे चाणकर्ता यीशु ख्रिष्ट की ओर से बहुत २ अनुग्रह और शान्ति मिले ।

ख्रिष्ट में प्यारे भाई और बहिनो, यह बात प्रायः समूची मंडली को मालूम हो गई है कि किसी प्रकार का गड़बड़ मंडलीमें हो रहा है । चर्च कौंसिल की ओर से सरक्युलर नम्बर ३६४ समूची मंडली में फैलाई गई है । उसकी बात ऐसी है कि हमारे मंडली में कितने जनों ने एक सभा बनाई जिसका नाम 'गोस्सनर ओटोनोमी रक्तक सभा' रखा गया । उसके सम्बन्ध में अनेक बातें हुईं जिससे कौंसिल ने विचारा कि इसी सभा के द्वारा किसी प्रकार मंडली की शान्ति नष्ट होगी । इसी से सरक्युलर निकाली गई । पर अब प्यारे भाई और बहिनो, वड़े आनन्द के साथ आप लोगों को सुना दिया जाता है कि यह गड़बड़ अब मिटाया गया है । यह सभा सुधारी गई और ऐसी बनाई गई है कि उससे चर्च कौंसिल को सहायता और मंडली की भलाई होवे । उसके विषय का नया बन्दोबस्त नीचे बताया जाता है जिन बातों को देखने से आप लोगों के मन की व्याकुलता दूर हो जायगी ।

नये बन्दोबस्त की बातें :—

चर्च कौंसिल और रक्तक सभा का प्रतिनिधि बीतो हुई सब बातों को काट देते हैं और संकल्प करते हैं कि हम नयी तौर से आरंभ करके पुरुष और स्त्रियों को एक यथा अथवा सभा नये नाम के साथ खोलेंगे । वह मिश्ररियों के प्रस्ताव जो पाद्री जोन साचेब के द्वारा कहा गया, उसके आधार पर चर्च कौंसिल से पूर्ण सहयोग करके ओ उसके देखरेख में काम करेगी जैसे नीचे उल्लिखित हैं :—

- (१) कि एक नयी सभा खोली जाय ।
- (२) कि उस सभा के लिये एक नया नाम रखा जाय ।
- (३) कि चर्च कौंसिल का प्रेसिडेण्ट उस सभा का होनररी चेयरमेन नियुक्त किया जाय ।
- (४) कि उस सभा के कार्यकारिणी सभा में कम से कम एक चर्च कौंसिल का अंग रहे ।
- (५) कि उक्त सभा के कार्यकारिणी सभा में एक मिश्ररी रहे ।
- (६) कि वह सभा उन्हीं कामों को करेगी जो रक्तक सभा ने २२ सेप्टेम्बर १९३४ में संकल्प किया* ।
- (७) कि कोई नया काम जिसको वह सभा करना चाहे उसके विषय चर्च कौंसिल के पास रिपोर्ट दिया जाय ।
- (८) कि सभा के सब कामों का रिपोर्ट कौंसिल को जानती के लिये दिया जाय ।
- (९) कि इसके सम्बन्ध में एक विशेष सरक्युलर निकाला जाय जो चर्च कौंसिल के द्वारा इसी मीटिंग में तैयार होवे ।
- (१०) कि चर्च कौंसिल नये सभा के विषय आनिवाली महासभा में रिपोर्ट देवे और नियमित मंजूरी लेवे । तब तक के लिये सभा काम करती रहेगी ।

उपरोक्त प्रस्ताव समर्थन किया जाकर सर्वसम्मति से ग्रहण किया गया ।

इन्हीं बातों के अनुसार जो चर्च कौंसिल से ग्रहण किये गये हैं प्रेसिडेण्ट एक मीटिंग बुलावेंगे और ऐसी सभा का संगठन करेंगे क्योंकि रक्तक सभा से समाचार आया है कि वे उपरोक्त बातों को ग्रहण करते हैं ।

टिप्पणी : * नये सभा के अभिप्राय ओ काम का पूरा रिपोर्ट आप लोगों को पीछे दिया जायगा ।

J. Topono, President.
27-9-34.

J. J. P. Tiga, Recording Secy.
27-9-34.

यह सरक्युलर सब गिर्जा और स्कूलों में पढ़ा जावे ।

J. Topono, President.

Meeting of the Committee on
Convention.

-----oOo-----

18th. April (Tuesday) 1933.

A meeting of the Committee on Conventions was held at Bishop's Lodge, Ranchi, to consider certain items connected with the forthcoming Convention to be held on the 29th. and 30th. of April and 1st. of May, 1933.

The following (which included the members of the Committee) were present:-

1. The Bishop of Chotanagpur.
2. President John Topono.
3. The Rev: M. Prehn.
4. The Rev: J. Dayal.
5. Mr. S.K. Roy.
6. Mr. P. Murad (the convener).

The meeting opened with a prayer by President John Topono.

I. Speakers.

The Convener stated that after all Ranchi was going to have a Convention and some speakers were invited of whom so far Rev: P.O. Wynd had expressed his willingness to be with us, while others expressed regret for their inability to come. The Convener told the Committee that he had written Mr. A.G. Atkins of Narsinghpur in C.I. and was hoping to get a favourable reply. But failing Mr. Atkins, he said, some one should be chosen. At this stage Mr. Crow's name was suggested and accepted as one of the speakers besides the two already mentioned. The Convener was asked to communicate the Committee's decision to Mr. Crow.

II. Time of Meetings.

	Morning-meetings.	Evening-Meetings.
29th. April (Saturday).....	8 a.m. - 10 a.m.	4 - 6 p.m.
30th. April (Sunday)	Mazra Morning church services-(Wynd) in the Cathedral and Rev: A. G. Atkins (Crow) in the Lutheran Church.	
		4 - 6 p.m.
1st. May. (Monday)	8 a.m. - 10 a.m	4 - 6 p.m.

III. Place of Convention-meetings.

Open air meetings to be held in the Lutheran compound in some shady place to be selected by Rev: M. Prehn and the Convener.

IV. Hymns for Convention.

As it was not possible in so short a time to print in a separate booklet hymns for Convention it was agreed that the hymns common to both the churches should be selected and made use of in the meetings.

V. Hospitality & Accomodation.

Owing to the Clergymen and Missionaries coming from mufassil and living in the town for church meetings during these days it was found out that the mission bungalows would be crowded. It was therefore decided that both Revds: P.O. Wynd and A.G. Atkins be accommodated in Mrs. D'Silva's Boarding and the expenses for their hospitality paid. The Bishop of Chotanagpur very kindly undertook to pay for Mr. Wynd's while Rev: M. Prehn undertook to pay for Mr. Atkins.

VI. Travelling Expenses.

It was agreed that the speakers coming from another place be given Inter Class Railway fare and the B & O., C.C. be approached to give the whole amount to defray the travelling expenses to be incurred.

VII. Incidental Charges.

The Convener pointed out that there may be some incidental charges for printing notices etc. and for which a little extra money would be required.

It was then suggested and accepted that a collection be made in the meetings, morning and evening, on the last day of the

the Convention and the same used for such charges.

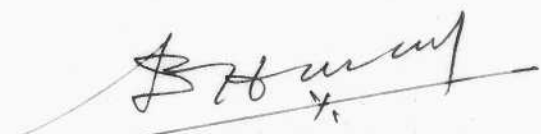
VIII. Intercessory Prayers.

A desire was expressed that publicity be given by announcements in the churches and by distribution of printed Notices in the Tallas and Mahallas. Also that for the success of the Convention prayers be offered in church services and also in the Christian homes.

It was further decided that at 6 o'clock on Friday evening, the day preceding the opening of the Convention, a small group of Christian friends from both Churches, with the speakers themselves, meet together at the Bishop's chapel for prayer asking God's power and grace for the speakers as well as for the hearers. Hindi language to be used for prayers.

The meeting closed with benediction by the Bishop.

Ranchi.
The 20th. April, 1933


Convener.

प्रभु बुलाता है ॥

आइये !

जीवन-वचन

सुनिये !!

ख्रीष्टीयान धर्मसभा

२६ और ३० अप्रैल और १ली मई १९३३

अर्थात्

सनिश्चर, एतवार और सोमवार को
धर्मशास्त्र के वचनों पर

धर्मोपदेश

दिया जायगा ॥

अंगलिकन और लूथरान कलीसा की यह एकत्रित धर्मसभा है जिसमें आने के लिये
सब प्रोटेस्टण्ट ख्रीष्टीयान भाई बहिन और लड़के लड़कियों को विशेष नेवता है ।

इस धर्मसभा में दो मिशनरी प्रभु के भक्त सेवक आप सभी से जीवन का वचन कहेंगे ।

सभा का स्थान—लूथरान हाता, रांची ।

सभा का समय— (१) सनिश्चर २६ अप्रैल } पाद्री वाईन्ड ।
८—१० बजे }
४—६ बजे — पाद्री क्रौव ।

(२) एतवार बिहान गिर्जा
केथीडूल में — पाद्री वाईन्ड ।
लूथरान गिर्जे में — पाद्री क्रौव ।
४—६ बजे
लूथरान हाते में — पाद्री वाईन्ड ।

(३) सोमवार १ली मई } पाद्री वाईन्ड ।
८—१० बजे }
४—६ बजे — पाद्री क्रौव ।

अन्तिम दिन में बिहान और रात की बैठकियों में दान एकट्टे किये जायेंगे ।

“धन्य वे जो धर्म के भूखे और प्यासे हैं क्योंकि वे तृप्त किये जायेंगे ।”

[P. HURAD—Contentor]

॥ ईं आलहु सु

॥ ईं नि

नन-नन

! ईं

मममम नामिनि

३३३ ईं नि ईं नि ०३ ईं नि ३३

नि

कि मममम ईं नि ममम, मममम
मम ममम कि मममम

मममम

॥ मममम ममम

ममम कि ममम मममम ईं मममम मममम ममम कि मममम मममम ममम मममममम
ईं मममम मममम कि ममममम कि मममम ईं ममम मममममम मममममम मम

मममम ममम कि ममम कि ममम ममम ममम कि ममम मममममम ममम मममममम

ममम कि ममम मममम—ममम कि ममम

73 *Christians* ३३ मममम (१) — ममम कि ममम
मममम कि मममम

21 *Muslims* ३-४
ममम कि मममम

25 *Muslims* मममम मममम (१)
मममम कि मममम — मममममम

8.21 *Muslims* मममम मममम
मममम कि मममम

37 *R.C.* — मममममम
मममम कि मममम

16 *Orthodox* मममममम (१)
मममम कि मममम

99 *Hindu etc.* मममम ३-४
मममम कि मममम

मममम ममम मममम मममम कि मममम मममम मममम मममम

695

“ममम कि ममम मममम ईं मममम मममम मममम मममममम”

29th. April

33.

Dear Bishop,

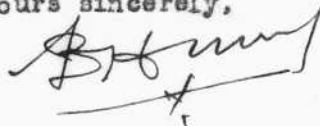
I am sorry to tell you that Mr. Atkins very regretfully declines to accept the invitation. He says that as the Principal of their Theological Seminary he will have to be there for winding up their Seminary work for the year. The very dates we give are the closing days of the Seminary.

I now think we remain satisfied with the 2 speakers only.

I enclose Mrs. D'Silva's letter re Mr. Wynd's board and lodge. Will you kindly settle this with Mrs. D'Silva? I wrote her that you have made yourself responsible for his hotel expenses.

I enclose a copy of the typed account of our meeting of the other day for your own use.

Yours sincerely,

A handwritten signature in dark ink, appearing to read "B. H. Munro", with a horizontal line drawn underneath it.

Matters to be decided in the Conventions
Committee.

18 April, 1933. 5.P.M.

1. Speakers - Rev. P.O. Wynd of Bagaha in Behar.
Rev. A.G. Atkins of Narsinghpur, C.I.
failing Mr. Atkins whom to chose ?
2. Place of Convention - in a Hall or in open air. ?
3. Convention Hymn Book - Shall we have one of
selected hymns from both churches ?
A Committee to select .
4. Feeding arrangements. Shall we have a restaurant
to supply food at cost price ?
5. Travelling-Inter Class expenses for speakers.
How to meet this. B. & O. C.C. to be
approached.
6. Accomodation & hospitality for speakers.
7. Other incidental charges, if any, and how to
meet these.
8. Publicity should be given by announcement in
the churches and mahallas and tollas.
9. Intercessory prayers be offered in churches
and Christian homes for the success of
the Convention.
10. Any other matter for Convention.

[Handwritten signature]

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

Secretary: P. HURAD,

No...1502/33/F.-38.

Dated the...18th. April...19..33.

Dear Bishop,

I think the meeting of the Committee on Convention should meet at once. 5 o'clock evening will be most convenient, I think. I also feel that your presence will be very helpful and I therefore propose that we have it at yours. Will you kindly make room for us there at that time? If not, we can meet here in my office room. On hearing from you I wish to notify the members.

Yours sincerely,

D. C. W. Hurad

[Signature]
*

5 P.M. today will
suit me quite well. I shall
have the verendab. mad. at my house
at that time, where we usually have meet. *[Signature]*

Church Council

Received 18.4.33

Register No. 739

Date 14.4.33

Page 38

Re: Dear Mr Murad.

Date

~~24~~ 17/4/33.

Bagaha P.O., Champaran. B. and O.

14th April 1933.

Thank you for yours of the 8th inst.

I hope to be with you for the Convention and
pray that it may be helpful.

The dates you give in yours of 15th March
stand, I suppose. They are 29th and 30th April and
1st May. I shall endeavour to arrive on
Friday the 28th April.

With kind regards.

Yours sincerely

P.O. Mond.

Church Council

Received 18.4.33

Register No. 738..

Date.....6.4.33.

File.....38.....

Reply No.....

B enares

Apr. 6. '33.

Dear Sir,

Your kind letter re
Ranchi Convention reached
me just when I was going
out of the Station. I got
delayed longer than I ex-
pected & returned to the
station day before yesterday.
I am very sorry owing to
special personal circumstances
I am unable
to come to Ranchi at
the dates mentioned.

I had already written this
off to Mrs Bishop of Chichester
Haggar, who had written
home earlier.

I am very
grateful in replying to
your letter.

Praying that wherever
he is richly blessed both
who are with him part in
it.

Yrs sincerely,

S. J. Lewis.

18, 4, 33

I - Mr. Crow to be one of the speakers. He should be is formed definitely.

29th joint. Sat. - 8 am. - 4-6 P.m.

30th Sunday afternoon joint Communion. 4 P.m. - 6 P.m.

1st May - Monday - 8 am - 4-6 P.m.

II - Lutheran compound = between the behind
the Mr. Puhm + Hards bogelow
+ near the tennis ground.

III = Hymns selected from Hym Books common
to both the churches.

IV Mrs. D'Silva to be requested to give room
+ food. Bishop + Puhm giving Expenses.

V B + O.C. to be approached for the share
expenses, + the rest to be divided between
the two churches.

VI In notice. announcement to be printed
that a collection would be taken on
the last day in the ~~month~~ meeting.

Bishops' Chapel — 6.0'clock for
prayer & with the speakers & a small
group.

Language in Hindi.

One room — to retire for private
talks with the speakers.

Meeting of the Committee on
Convention.

-----oOo-----

A meeting of the Committee on Convention was held at Bishop's Lodge, Ranchi, to consider certain items connected with the forthcoming Convention to be held on 29th and 30th April and 1st May 1933.

The following ^{which} included ~~ed~~ the members of the Committee were presents-

1. The Bishop of Chotanagpur.
2. President John Topono.
3. The Rev: M. Prehn.
4. The Rev: J. Dayal.
5. Mr. S.K. Roy.
6. Mr. P. Murad (the convener).

The meeting opened with a prayer by President John Topono.

I. Speakers

The Convener then stated that after all Ranchi was going to have a Convention and some speakers were invited to speak of whom so far Rev: P.O. Wynd had expressed his willingness to be with us, while others expressed regret for their inability to come. The Convener told the Committee that he had written Mr. A.G. Atkins of Narsinghpur in C.I. and was hoping to get a favourable reply. But failing Mr. Atkins, he said, some one should be chosen. At this stage Mr. Crow's name was suggested and accepted as one of the speakers, besides the two already mentioned. The Convener was asked to communicate the Committee's decision to Mr. Crow.

II. Time of Meetings.

	<u>Morning meetings.</u>	<u>Evening meetings.</u>
29th. April (Saturday)	8 a.m. - 10 a.m.	4 - 6 p.m.
30th. April (Sunday)	Morning church services-- (Wynd) in the Cathedral and Rev: A.G. Atkins (Crow) in the Lutheran Church.	
1st. May. (Monday)	8 a.m. - 10 a.m.	4 - 6 p.m.

III. Place of Convention meetings.

Open air meetings should be held in the Lutheran compound in some shady place to be selected by Rev: M. Prehn and the Convener.

IV. Hymns for Convention.

As it ~~was~~ ^{is} not possible in so short a time to print in a separate booklet hymns for Convention, it was agreed that the hymns common to both the churches should be selected and made use of in the meetings.

V. Hospitality & Accommodation.

Owing to the Clergymen and missionaries coming from mufassil and living in the town for church meetings during these days it was found out that the mission bungalows would be ~~exceed~~ crowded. It was therefore decided that both ^{the} Revds: P.O. Wynd and A.G. Atkins be accommodated in Mrs. D'Silva's Boarding and the expenses for ~~this~~ ^{their} hospitality paid. The Bishop of Chotanagpur very kindly undertook to pay for Mr. Wynd's while Rev: M. Prehn undertook to pay for Mr. Atkins.

VI. Travelling Expenses.

It was agreed that the speakers coming from another place be

be given Inter Class Railway fare and the B & O, C.C. be approached to give the whole amount to defray the travelling expenses to be incurred.

VII. Incidental Charges.

The convener pointed out that there may be some incidental charges for printing notices etc. and for which a little extra money ~~could~~ be required.

It was then suggested and accepted that a collection be made in the meetings, morning and evening, on the last day of the Convention, and the same ~~was~~ used for such charges.

VIII. Intercessory Prayers.

A desire was expressed that publicity be given by announcements in the churches and ^{by} distribution of printed Notices in the Tallas and Mahallas. Also that for the success of the Convention prayers be offered in church services and also in the Christian homes.

It was further decided that 6 o'clock on Friday evening the day preceding the opening of the Convention, a small group of Christian friends from both Churches with the speakers themselves meet together for prayer, asking God's power and grace for the speakers as well as for the hearers. *in the Bishop's chapel.*

The meeting closed with benediction by the Bishop.

काशी

The Benares United City Mission.

27/3/33

लिखित

संघ।

Church Council

Received..27.3.33

Register No...682

Date..24.3.33

P. Hurade Esq. 38.....

Ranchi.
Reply No.....

Dear Sir,

Ram Katora,

BENARES CANTONMENT.

24th. March 1933.

I regret very much that I am not able myself to serve in your Convention on April 29th. - May 1st.

I do not know anyone in Benares whom you could ask to come as Speaker. The Rev. G. B. Ogden of the A.P.Mission in Kasganj is a very good Hindi speaker, and as Convenor of the Committee for the Observance of the Annual Week of Evangelism in the U.P., he is interested in such a work as you propose. I advise you to write him, as if he is not able to come to you himself, he will probably be able to suggest some other name or names.

Trusting you may have a time of great blessing, I remain

Yours sincerely,

J. Chadwick Jackson

THE NATIONAL MISSIONARY SOCIETY OF INDIA

(Bharat Khristiya Sevak Samaj)

(ESTABLISHED 1905)

5/4/33

General Secretary :

RAI A. C. MUKERJI BAHADUR,
ALLAHABAD.

7, Cawnpur Road,

Allahabad.

All sums intended for the Society should
be remitted to the Treasurer, N.M.S. Office,
Vepery, Madras, and not to Allahabad.

The 16th March 1933

Dear Mr. Hurad,

The Bishop has invited me to go to Ranchi to conduct certain evangelistic meetings in Ranchi and has asked me to send a reply to you, as he himself is out on tour. It would have given me the greatest pleasure to have responded to the invitation but I am exceedingly ~~am~~ placed in such circumstances at present that I am unable to respond to it.

The Bishop asked me if in case I failed you all to find another man to take my place. Specially he has asked my opinion about Rev. J. S. Edwin of Benares. I can recommend him most strongly. Mr. Edwin is an inspiring speaker and I feel sure under Divine guidance he will prove most helpful to you all. Mr. Edwin speaks Hindi, which is an advantage in your area. You can not do better than getting him.

Kind regards,

Yours sincerely,

A. C. Mukerji

Bagaha P.O.

~~24~~ 5/4/33.

Champaran. B. to.

24th March 1933.

Dear Mr. Howard.

There has been delay in regard to your letter of the 15th inst. First it went to Bhaga although correctly addressed and then was delayed at this end as the Post Office is 14 miles distant and I send for letters only three times a week.

I thank you for your invitation to speak at the Convention you propose holding at the end of April. It is a long journey from here to Ranchi and I am sorry I cannot come at my own expense. If you have not already given up hope of hearing from me, and if you can undertake to pay my railway fare I shall be happy to come.

If in these circumstances you decide to sustain the invitation you have so kindly given will you please let me know the number of meetings you would like me to speak at. I note that you require addresses in Hindi.

With very kind regards.

Yours sincerely, P.O. Wynne.

Bishop's Lodge
Ranchi,
B. N. R.

19-1V-33

Dear Mr. Hurd

I think your account
of the meeting quite correct & most
accurate. There does not seem
anything to add unless you mention
that the little prayer-meeting on
Friday would be here. — but that
is not really necessary if those
who will come are told.

Yours sincerely
Kenneth Chotakur

Meeting of the Committee on
Convention.

-----oOo-----
18th April (Tuesday) 1933.

A meeting of the Committee on Conventions was held at Bishop's Lodge, Ranchi, to consider certain items connected with the forthcoming Convention to be held on ^{the} 29th and 30th April and 1st ^{of} May, 1933.

The following ^{which} ~~included~~ the members of the Committee) were presents:-

1. The Bishop of Chotanagpur.
2. President John Topono.
3. The Rev: M. Prehn.
4. The Rev: J. Dayal.
5. Mr. S.K. Roy.
6. Mr. P. Hurad (the convener).

The meeting opened with a prayer by President John Topono.

I. Speakers.

The Convener ~~was~~ stated that after all Ranchi was going to have a Convention and some speakers were invited ~~to speak~~ of whom so far Rev: P.O. Wynd had expressed his willingness to be with us, while others expressed regret for their inability to come. The Convener told the Committee that he had written Mr. A.G. Atkins of Narsinghpur in C.I. and was hoping to get a favourable reply. But failing Mr. Atkins, he said, some one should be chosen. At this stage Mr. Crow's name was suggested and accepted as one of the speakers besides the two already mentioned. The Convener was asked to communicate the Committee's decision to Mr. Crow.

II. Time of Meetings.

	<u>Morning meetings.</u>	<u>Evening meetings.</u>
29th. April (Saturday)	8 a.m. - 10 a.m.	4 - 6 p.m.
30th. April (Sunday)	Morning church services- (Wynd) in the Cathedral and Rev: A.G. Atkins (Crow) in the Lutheran Church.	
1st. May. (Monday)	8 a.m. - 10 a.m.	4 - 6 p.m.

} →

III. Place of Convention-meetings.

Open air meetings ~~should~~ be held in the Lutheran compound in some shady place to be selected by Rev: M. Prehn and the Convener.

IV. Hymns for Convention.

As it was not possible in so short a time to print in a separate booklet hymns for Convention it was agreed that the hymns common to both the churches should be selected and made use of in the meetings.

V. Hospitality & Accomodation.

Owing to the Clergymen and missionaries coming from mufassil and living in the town for church meetings during these days it was found out that the mission bungalows would be ~~exceed~~ crowded. It was therefore decided that both Revds: P.O. Wynd and A.G. Atkins be accomodated in Mrs. D'Silva's Boarding and the expenses for ~~this~~ ^{their} hospitality paid. The Bishop of Chotanagpur very kindly undertook to pay for Mr. Wynd's while Rev: M. Prehn undertook to pay for Mr. Atkins.

VI. Travelling Expenses.

It was agreed that the speakers coming from another place be

be given Inter Class Railway fare and the B & O, C.C. be approached to give the whole amount to defray the travelling expenses to be incurred.

VII. Incidental Charges.

The convener pointed out that there may be some incidental charges for printing notices etc. and for which a little extra money ~~could~~ be required.

It was then suggested and accepted that a collection be made in the meetings, morning and evening, on the last day of the Convention, and the same ~~was~~ used for such charges.

VIII. Intercessory Prayers.

A desire was expressed that publicity be given by announcements in the churches and ^{by} distribution of printed Notices in the Tollas and Mahallas. Also that for the success of the Convention prayers be offered in church services and also in the Christian homes.

It was further decided that ^{at} 6 o'clock on Friday evening, the day preceding the opening of the Convention, a small group of Christian friends from both Churches, with the speakers themselves, meet together ^{at the Bishop's chapel} for prayer, asking God's power and grace for the speakers as well as for the hearers. *Hindi language to be used for prayers.*

The meeting closed with benediction by the Bishop.

Ranchari
The 20th April, 1933 }

P. Ahmad,
Convener.